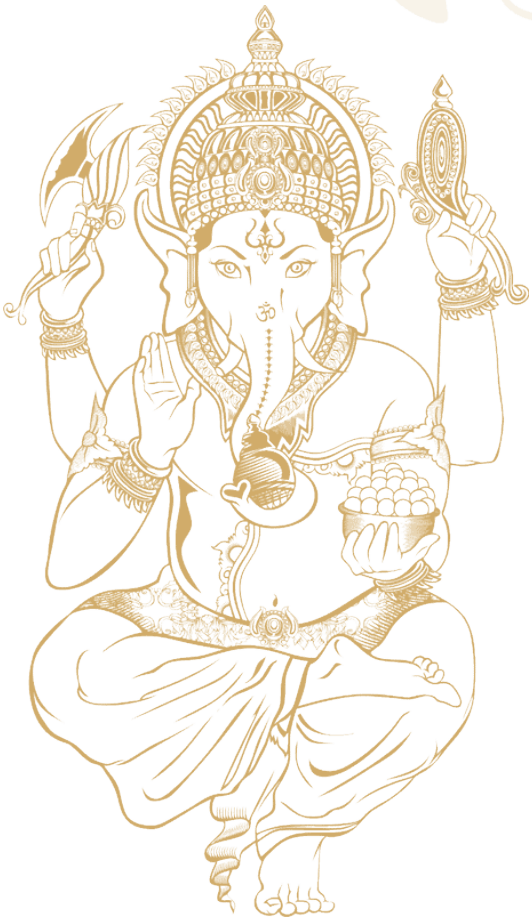

# Bharat dave

06 Nov 1986

04:15 AM

Nathdwara

**Model: Varshphal-2017**

**Order No: 121178601**

**तिथि** 06/11/1986 **समय** 04:15:00 **वार** गुरुवार **स्थान** Nathdwara **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:40:17
**अक्षांश** 24:56:00 उत्तर **रेखांश** 73:49:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:34:44 घंटे

| पंचांग | | अवकहड़ा चक्र | |
|---|---|---|---|
| साम्पातिक काल | 06:39:44 घं | गण | राक्षस |
| वेलान्तर | 00:16:24 घं | योनि | श्वान |
| सूर्योदय | 06:44:29 घं | नाड़ी | आद्य |
| सूर्यास्त | 17:52:05 घं | वर्ण | क्षत्रिय |
| चैत्रादि संवत | 2043 | वश्य | मानव |
| शक संवत | 1908 | वर्ग | मूषक |
| मास | कार्तिक | युँजा | अन्त्य |
| पक्ष | शुक्ल | हंसक | अग्नि |
| तिथि | 5 | जन्म नामाक्षर | भी-भीमा |
| नक्षत्र | मूल | पाया(रा.-न.) | लौह-ताम्र |
| योग | सुकर्मा | होरा | गुरु |
| करण | बव | चौघड़िया | शुभ |

**विंशोत्तरी**
केतु 1वर्ष 5मा 9दि
मंगल
15/04/2024
16/04/2031

| | |
|---|---|
| मंगल | 12/09/2024 |
| राहु | 30/09/2025 |
| गुरु | 06/09/2026 |
| शनि | 16/10/2027 |
| बुध | 12/10/2028 |
| केतु | 10/03/2029 |
| शुक्र | 10/05/2030 |
| सूर्य | 15/09/2030 |
| चन्द्र | 16/04/2031 |

**योगिनी**
उल्का 1वर्ष 2मा 25दि
सिद्धा
31/01/2024
31/01/2031

| | |
|---|---|
| सिद्धा | 11/06/2025 |
| संकटा | 31/12/2026 |
| मंगला | 12/03/2027 |
| पिंगला | 02/08/2027 |
| धान्या | 02/03/2028 |
| भ्रामरी | 11/12/2028 |
| भद्रिका | 01/12/2029 |
| उल्का | 31/01/2031 |

| ग्रह | व | अ | अंश | राशि | नक्षत्र | पद | स्वामी | अं. | स्थिति | षट्बल | चर | स्थिर | ग्रह तारा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | 15:19:51 | कन्या | हस्त | 2 | चंद्र | गुरु | --- | 0:00 | | | |
| सूर्य | | | 19:33:11 | तुला | स्वाति | 4 | राहु | मंगल | नीच राशि | 0.94 | अमात्य | पितृ | साधक |
| चंद्र | | | 10:35:12 | धनु | मूल | 4 | केतु | शनि | सम राशि | 1.42 | ज्ञाति | मातृ | जन्म |
| मंगल | | | 23:02:11 | मक | श्रवण | 4 | चंद्र | सूर्य | उच्च राशि | 1.44 | आत्मा | भ्रातृ | क्षेम |
| बुध | व | अ | 04:28:43 | वृश्चि | अनुराधा | 1 | शनि | शनि | सम राशि | 1.47 | कलत्र | ज्ञाति | मित्र |
| गुरु | व | | 19:18:27 | कुंभ | शतभिषा | 4 | राहु | मंगल | सम राशि | 0.82 | भ्रातृ | धन | साधक |
| शुक्र | व | अ | 18:42:56 | तुला | स्वाति | 4 | राहु | चंद्र | मूलत्रिकोण | 1.21 | मातृ | कलत्र | साधक |
| शनि | | | 15:12:12 | वृश्चि | अनुराधा | 4 | शनि | गुरु | शत्रु राशि | 1.17 | पुत्र | आयु | मित्र |
| राहु | व | | 27:03:20 | मीन | रेवती | 4 | बुध | गुरु | सम राशि | | --- | ज्ञान | अतिमित्र |
| केतु | व | | 27:03:20 | कन्या | चित्रा | 2 | मंगल | गुरु | शत्रु राशि | | --- | मोक्ष | प्रत्यारि |

## लग्न-चलित

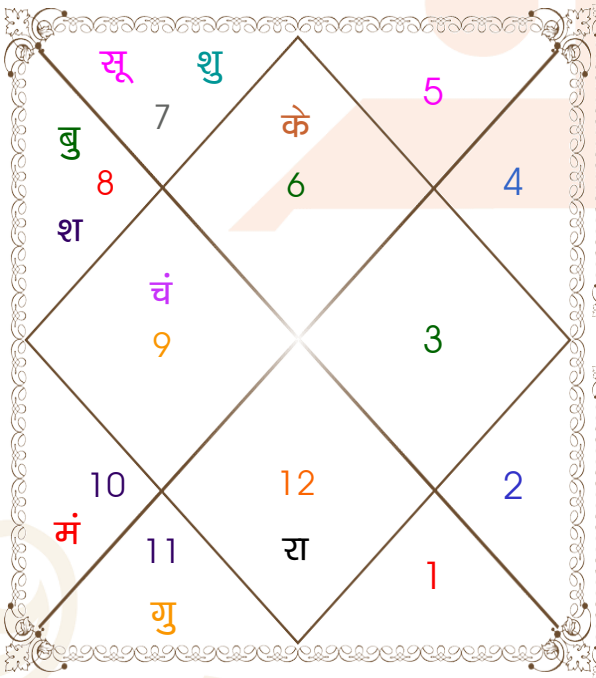


## चन्द्र कुंडली

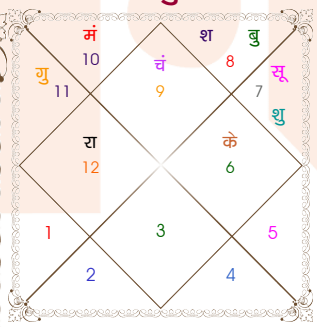


## नवमांश कुंडली

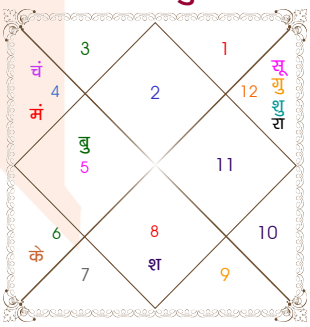


## सर्वाष्टकवर्ग

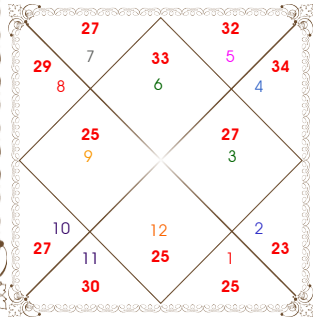


## दशमांश कुंडली

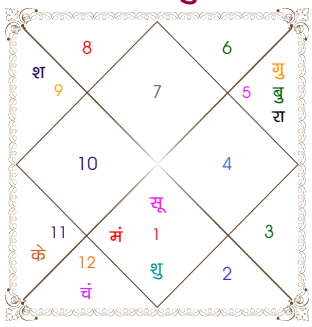



Astro House
Astrologer Dr Mahesh
एस्ट्रोलॉजर डॉ. महेश

05 - रामाश्रय, उदयपुर ( राजस्थान ) 313001, भारत
Other Services - Vastu | Numerology | Prashna Jyotish
For Whatsapp Counsitation - 9145853726
Web - www.astrohouse.org , Email - connectastromahesh@gmail.com

# अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक रूप से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम रहेगी तथा पारिवारिक जनों से सामान्य सहयोग मिलता रहेगा। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। ज्ञानार्जन में इस समय आपकी पूर्ण रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक विभिन्न शास्त्रों का अध्ययन करने या वैज्ञानिक शोध कार्य के प्रति आपका विशेष ध्यान रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्य श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क या तीर्थ यात्रा की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके कार्य बुद्धिमता तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा लोग आप पर काफी विश्वास रखेंगे जिससे सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए समय मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष से आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति होगी परन्तु इस समय आप आवास या स्थान संबधी परिवर्तन भी कर सकते हैं। शत्रु या विरोधी पक्ष भी यद्यपि समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु अन्त में उन पर विजय प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय सामान्यतया अच्छी रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अल्प मात्रा में कोई विशेष लाभ भी हो सकता है। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि परिश्रम से ही कार्यो कलापों में सिद्धि प्राप्त हो सकेगी।

# अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके सभी शुभ एवं सांसारिक महत्व के कार्य उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही आपके सभी रूके हुए कार्य पूर्ण होंगे तथा मानसिक संकल्पों में भी सफलता मिलेगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपको वांछित सुख एवं सहयोग मिलेगा तथा संतति पक्ष से भी प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति भी इस समय उत्तम रहेगी तथा आपके सभी कार्य बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप धार्मिक कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके भाग्योदय में भी वृद्धि होगी तथा भौतिक सुख संसाधन तथा वाहनादि को प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा इस समय व्यापार में आपको इच्छित सफलता मिलेगी तथा इसमें विस्तार या नवीन कार्य प्रारंभ होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में भी आपकी पदोन्नति होगी फलतः समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश बढ़ेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा।

# अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप की स्वस्थता बनी रहेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप शान्ति तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस समय आप में उत्साह के भाव की प्रबलता रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा फलतः सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे।बन्धुवर्ग से भी इस वर्ष आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनसे लाभ भी मिलेगा। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपकी विशेष रूचि रहेगी तथा इच्छानुसार आप समय समय पर रूचि पूर्वक इसका भक्षण कर के आनन्द की प्राप्ति करेंगे।

इस वर्ष में राजनैतिक रूप से प्रभाव शाली व्यक्तियों या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आप को आश्रय मिलेगा अर्थात आपसे ये लोग प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं समय समय पर अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। फलतः आपके सभी सांसारिक महत्व के कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी आय अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त स्त्री से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा जिससे आपके मन में प्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा।

# अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा परन्तु यदा कदा शारीरिक कष्ट की भी अनुभूति होगी। साथ ही मानसिक स्थिति सामान्यतया अच्छी ही रहेगी। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम तथा उत्साह से सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको न्यूनाधिक सफलता भी मिलती रहेगी। शत्रुपक्ष से इस समय आपको परेशानी होगी परन्तु आप उनका सामना करने में समर्थ रहेंगे तथा अन्त में उन्हें पराजित कर सकेंगे। समाज में इस समय आपकी प्रतिष्ठा मध्यम रहेगी तथा आप मिथ्यावाद के कारण कठिनाई का सामना कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी इस समय सामान्य रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन तथा लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। मित्रों एवं संबधियों से आपके संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे समय समय पर लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा परन्तु इसमें न्यूनाधिक भाव रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा अत्यंत ही परिश्रम एवं पराक्रम से सफलता अर्जित करेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति के अवसर बनेंगे परन्तु इसमें अनावश्यक विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे। साथ ही व्यापार संबधी कार्यो में भी मन्दी रहेगी लेकिन स्व पराक्रम एवं परिश्रम से आप इच्छित लाभ अर्जित कर सकेंगे। इस वर्ष में आपको वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है तथा स्थान परिवर्तन या आवास संबधी योजना का प्रारंभ हो सकता है। इसके अतिरिक्त आपके अन्य रूके हुए कार्य भी इस वर्ष में पूर्ण होंगे। अतः समय का सदुपयोग करना चाहिए।

# प्रथम मास

## 06/11/2026 10:21:34 से 06/12/2026 03:44:35 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | धनु | मूल | 06:13:58 |
| सूर्य | | तुला | स्वाति | 19:33:11 |
| चन्द्र | | कन्या | हस्त | 13:28:35 |
| मंगल | | कर्क | आश्लेषा | 26:57:44 |
| बुध | व | तुला | स्वाति | 15:53:47 |
| गुरु | | सिंह | मघा | 00:41:21 |
| शुक्र | व | कन्या | चित्रा | 29:52:28 |
| शनि | व | मीन | उ०भाद्रपद | 14:44:24 |
| राहु | व | कुम्भ | धनिष्ठा | 02:32:47 |
| केतु | व | सिंह | मघा | 02:32:47 |
| मुंथा | | मकर | श्रवण | 15:19:51 |

**मासाधिपति** : गुरु

**मासाधिपति**

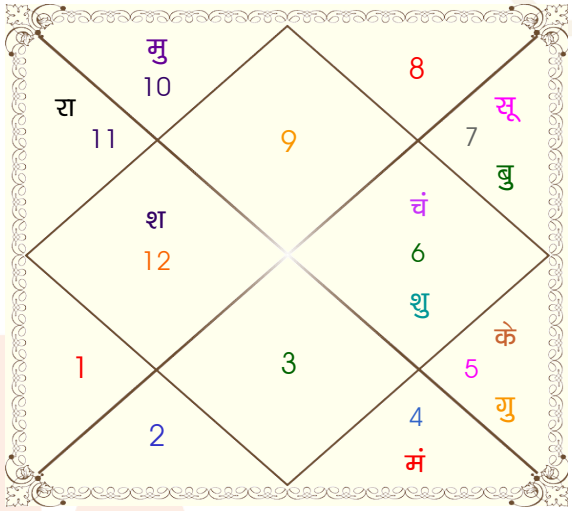


इस मास में आप अपने ही उत्साह के द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा समाज से आपको पूर्ण यश तथा मान प्राप्त होगा।साथ ही अपने समस्त बन्धुओं तथा मित्रों से आप पूर्ण प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस समय उच्चाधिकरी वर्ग से भी आपको आश्रय मिलेगा तथा मिष्ठान्न का अधिक मात्रा में उपभोग करने में रूचिशील रहेंगे।आपका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा एवं बल की उसमें वृद्धि होगी। इस प्रकार आप सम्पूर्ण मास सुखोपभोग में व्यतीत करेंगे। साथ ही आपके शत्रु भी आपसे पराजित होगे एवं स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त व्यापार मेंभी आप लाभ अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री वर्ग से पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगे एवं बुद्धि में निर्मलता का भी समावेश होगा। इसके अतिरिक्त आप प्रचुर मात्रा में धनलाभ अर्जित करेंगे तथा सुखपूर्वक धर्मानुपालन करते हुए अपना समय व्यतीत करेंगे।

# द्वितीय मास

## 06/12/2026 03:44:35 से 04/01/2027 15:11:27 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | तुला | चित्रा | 04:45:17 |
| सूर्य | | वृश्चिक | ज्येष्ठा | 19:33:11 |
| चन्द्र | | तुला | स्वाति | 14:54:50 |
| मंगल | | सिंह | मघा | 09:27:12 |
| बुध | | वृश्चिक | अनुराधा | 05:06:58 |
| गुरु | | सिंह | मघा | 02:42:22 |
| शुक्र | | तुला | स्वाति | 06:47:57 |
| शनि | व | मीन | उ०भाद्रपद | 13:43:07 |
| राहु | व | मकर | धनिष्ठा | 29:13:48 |
| केतु | व | कर्क | आश्लेषा | 29:13:48 |
| मुंथा | | मकर | श्रवण | 17:49:51 |

**मासाधिपति**

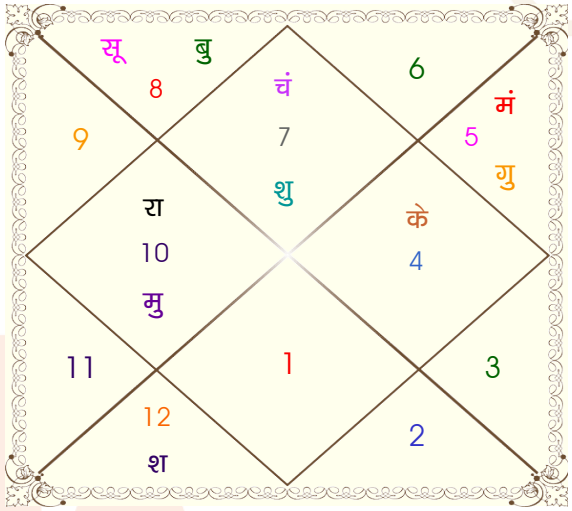


**मासाधिपति :** शनि

इस मास में आपके लिए मिलेजुले शुभाशुभ फल होंगे।अतः शारीरिक रूप से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे।साथ ही दुश्मनों से भी आपको भय तथा चिन्ता का वातावरण प्राप्त होगा फलतः मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे। इस समय पारिवारिक जनों से भी सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से आपसी सम्बन्धों में तनाव का वातावरण उत्पन्न होगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में इस मास हानि या मंदी आ सकती है साथ ही कोई परिवर्तन भी हो सकता है या संबधित कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य लोगों से भी आपके संबन्धों में कटुता उत्पन्न होगी। अतः सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन की हानि होने की भी सम्भावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे जिससे आप उच्चाधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त करेंगे एवं कार्यों में किंचित उन्नति का भी आभास होगा। आप इस समय दूर समीप की यात्रा भी करेंगे एवं नवीन वस्त्रादि की भी प्राप्ति होगी। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

# तृतीय मास

## 04/01/2027 15:11:27 से 03/02/2027 02:41:53 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | वृष | रोहिणी | 11:01:29 |
| सूर्य | | धनु | पूर्वाषाढ़ा | 19:33:11 |
| चन्द्र | | वृश्चिक | अनुराधा | 12:08:55 |
| मंगल | | सिंह | पू०फाल्गुनी | 15:57:26 |
| बुध | | धनु | पूर्वाषाढ़ा | 21:09:23 |
| गुरु | व | सिंह | मघा | 01:58:51 |
| शुक्र | | वृश्चिक | विशाखा | 02:41:53 |
| शनि | | मीन | उ०भाद्रपद | 14:14:00 |
| राहु | व | मकर | धनिष्ठा | 26:55:50 |
| केतु | व | कर्क | आश्लेषा | 26:55:50 |
| मुंथा | | मकर | श्रवण | 20:19:51 |

**मासाधिपति**

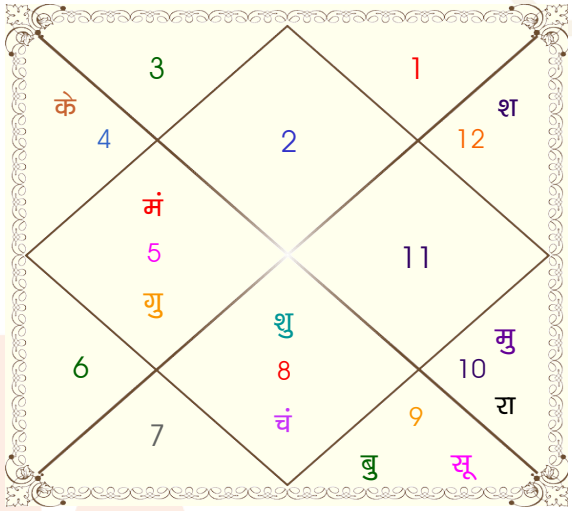


**मासाधिपति :** गुरु

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धन लाभ अर्जित करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सम्पन्न होंगे। इस मास में आप घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं। सन्तति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे तथा इनका आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन एवं सम्मान करने के लिए आप तत्पर रहेंगे। इस मास में समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में वृद्धि तथा उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की प्रबलता रहेगी एवं दूर समीप की आप कोई लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न करेंगे। मित्र तथा बन्धुवर्ग से इस समय सम्बन्धों में घनिष्ठता होगी। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

इसके साथ ही इस मास में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा वातोत्पन्न रोगों से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि का भी भय होगा जिससे हानि की आशंका बनी रहेगी। अतः संयम एवं सर्तकता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

# चतुर्थ मास

## 03/02/2027 02:41:53 से 04/03/2027 20:15:29 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | वृश्चिक | अनुराधा | 11:48:58 |
| सूर्य | | मकर | श्रवण | 19:33:11 |
| चन्द्र | | धनु | मूल | 08:32:39 |
| मंगल | व | सिंह | मघा | 12:38:14 |
| बुध | | कुम्भ | शतभिषा | 07:51:30 |
| गुरु | व | कर्क | आश्लेषा | 28:52:21 |
| शुक्र | | धनु | मूल | 04:56:07 |
| शनि | | मीन | उ०भाद्रपद | 16:11:44 |
| राहु | व | मकर | धनिष्ठा | 26:19:27 |
| केतु | व | कर्क | आश्लेषा | 26:19:27 |
| मुंथा | | मकर | श्रवण | 22:49:51 |

**मासाधिपति**

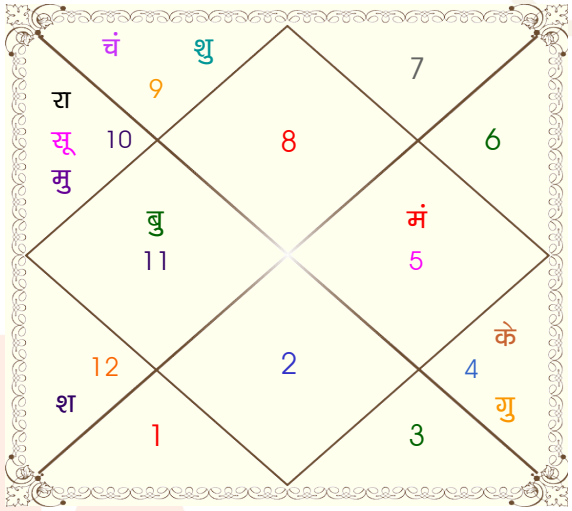


**मासाधिपति :** गुरु

यह मास आपके लिए उत्तम तथा शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा नाना प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा तथा धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को भी आप सम्पन्न करेंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आश्रय प्राप्त करके समाज में यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस महीने में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनको सहयोग तथा सुख प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप सफलता अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी सुख प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी सद्विचारों की वृद्धि होगी। विविध प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग कर सकेंगे। इसके अलावा धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने में भी आप सफल हो सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपका शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

# पंचम् मास

## 04/03/2027 20:15:29 से 04/04/2027 00:25:29 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | कन्या | हस्त | 12:24:20 |
| सूर्य | | कुम्भ | शतभिषा | 19:33:11 |
| चन्द्र | | मकर | उत्तराषाढ़ा | 07:21:33 |
| मंगल | व | सिंह | मघा | 01:37:35 |
| बुध | | मकर | धनिष्ठा | 26:44:49 |
| गुरु | व | कर्क | आश्लेषा | 25:05:50 |
| शुक्र | | मकर | उत्तराषाढ़ा | 09:43:58 |
| शनि | | मीन | रेवती | 19:14:50 |
| राहु | | मकर | धनिष्ठा | 26:14:16 |
| केतु | | कर्क | आश्लेषा | 26:14:16 |
| मुंथा | | मकर | धनिष्ठा | 25:19:51 |

**मासाधिपति**

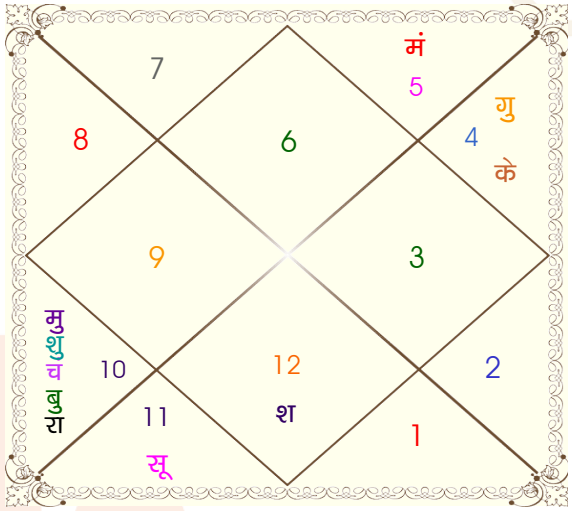


**मासाधिपति :** बुध

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप संतति पक्ष से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। इस समय आपके प्रभुत्व में भी वृद्धि होगी तथा अन्य लोग आपके प्रभुत्व को हृदय से स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों की भी आप श्रद्धा पूर्वक पूजन एवं सम्मान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा आपकी मनोकामनाएं पूर्ण होगी फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से भी वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे तथा नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति कर सकते है। इस प्रकार आपका यह मास सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत होगा।

# षष्ठ मास

## 04/04/2027 00:25:29 से 04/05/2027 17:05:04 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | धनु | मूल | 03:52:40 |
| सूर्य | | मीन | रेवती | 19:33:11 |
| चन्द्र | | कुम्भ | शतभिषा | 11:38:51 |
| मंगल | | कर्क | आश्लेषा | 26:42:55 |
| बुध | | कुम्भ | पू०भाद्रपद | 27:23:35 |
| गुरु | व | कर्क | आश्लेषा | 22:53:31 |
| शुक्र | | कुम्भ | शतभिषा | 15:56:40 |
| शनि | | मीन | रेवती | 22:55:50 |
| राहु | व | मकर | धनिष्ठा | 25:03:23 |
| केतु | व | कर्क | आश्लेषा | 25:03:23 |
| मुंथा | | मकर | धनिष्ठा | 27:49:51 |

**मासाधिपति**

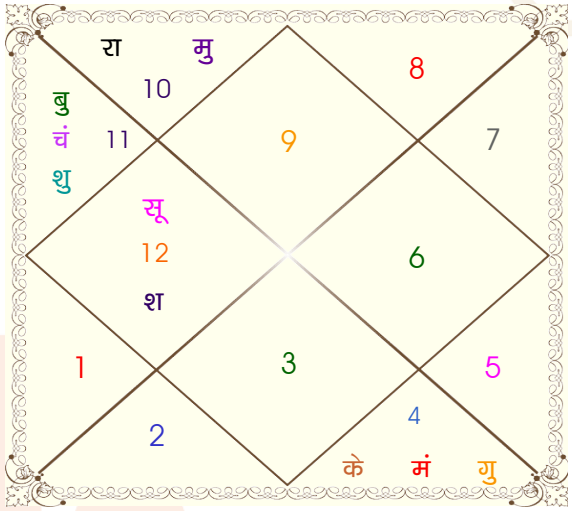


**मासाधिपति :** शनि

इस मास में आप अपने पराकम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही समाज से भी आप उचित मान सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे पूर्ण सहयोग तथा सुख भी प्राप्त होगा। उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं अपने कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल रहेंगे। इस मास में आप मिष्ठान अधिक मात्रा में भक्षण करेंगे।साथ ही आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा फलतः शारीरिक बल में वृद्धि होगी। इस समय आपके शत्रु क्षीण रहेंगे अतः उनका दमन करने में आप को सफलता प्राप्त होगी। स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इसके साथ ही व्यापार आदि कार्यो से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित होगी जिससे आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

साथ ही इस मास में आप महिला सहयोगियों से भी लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी अतः आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा इस मास में किसी धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का भी आयोजन कर सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा।

# सप्तम् मास

## 04/05/2027 17:05:04 से 04/06/2027 20:46:10 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | कन्या | चित्रा | 23:35:39 |
| सूर्य | | मेष | भरणी | 19:33:11 |
| चन्द्र | | मीन | रेवती | 24:17:25 |
| मंगल | | सिंह | मघा | 02:18:10 |
| बुध | | मेष | भरणी | 26:09:06 |
| गुरु | | कर्क | आश्लेषा | 23:27:00 |
| शुक्र | | मीन | रेवती | 23:07:48 |
| शनि | | मीन | रेवती | 26:44:47 |
| राहु | व | मकर | श्रवण | 22:10:12 |
| केतु | व | कर्क | आश्लेषा | 22:10:12 |
| मुंथा | | कुम्भ | धनिष्ठा | 00:19:51 |

**मासाधिपति**

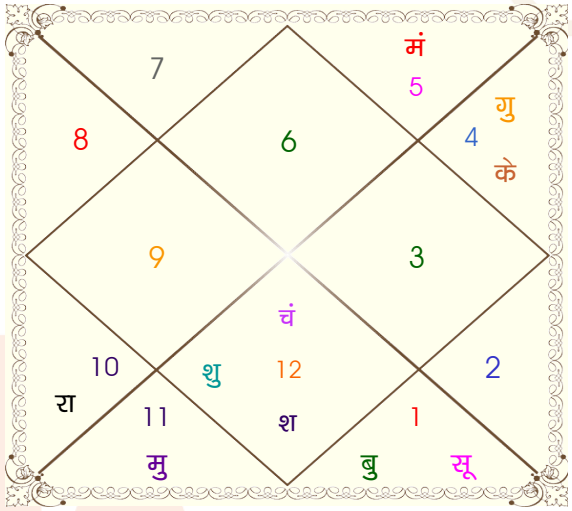


**मासाधिपति :** चन्द्र

यह मास आपके लिए शुभ की अपेक्षा अशुभ ही अधिक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा साथ ही शत्रु पक्ष के बलवान होने से आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति रहेगी। इस मास में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। साथ ही ऐसे समय में उच्चाधिकारी वर्ग की भी उपेक्षा न करें एवं उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा असफलता अधिक मिलेगी। साथ ही इस समय धन का व्यय भी अधिक मात्रा में करेंगे अतः न्यूनाधिक आर्थिक संकट भी बना रहेगा। इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते है जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आपके मित्र तथा संबधियों से मधुर संबध अल्प रहेंगे तथा तनाव अधिक रहेगा तथा आप सामाजिक उपेक्षा भी प्राप्त करेंगे एवं आपकी आशाएं भी अपूर्ण ही रहेंगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही इस मास में नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित करने में सफल हो सकते है। इससे आप अल्प मात्रा में मानसिक सन्तुष्टि तथा शान्ति प्राप्त कर सकेंगे।

# अष्टम् मास

## 04/06/2027 20:46:10 से 06/07/2027 06:52:13 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | धनु | मूल | 09:31:22 |
| सूर्य | | वृष | रोहिणी | 19:33:11 |
| चन्द्र | | वृष | रोहिणी | 17:02:02 |
| मंगल | | सिंह | पू०फाल्गुनी | 14:34:15 |
| बुध | | मिथुन | आर्द्रा | 10:41:19 |
| गुरु | | कर्क | आश्लेषा | 26:39:35 |
| शुक्र | | वृष | कृतिका | 01:01:12 |
| शनि | | मेष | अश्विनी | 00:09:35 |
| राहु | व | मकर | श्रवण | 18:57:17 |
| केतु | व | कर्क | आश्लेषा | 18:57:17 |
| मुंथा | | कुम्भ | धनिष्ठा | 02:49:51 |

**मासाधिपति**

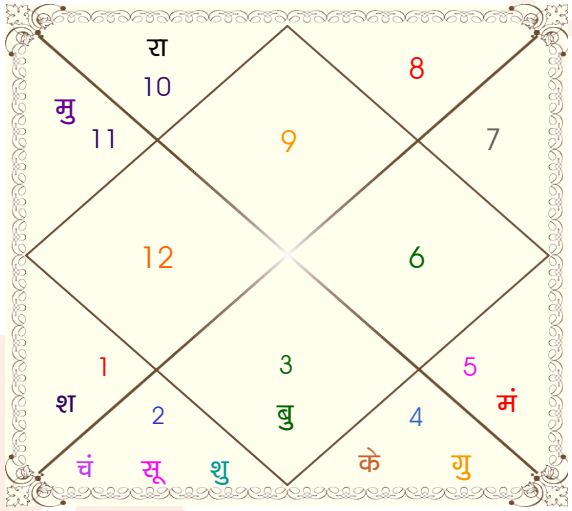


**मासाधिपति :** बुध

यह मास आपके लिये सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा श्रद्धा पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही समाज में अन्य लोगों की भलाई करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य ही रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

# नवम् मास

## 06/07/2027 06:52:13 से 06/08/2027 16:52:27 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | कर्क | पुनर्वसु | 02:08:08 |
| सूर्य | | मिथुन | आर्द्रा | 19:33:11 |
| चन्द्र | | कर्क | आश्लेषा | 16:51:28 |
| मंगल | | कन्या | उ०फाल्गुनी | 00:36:10 |
| बुध | | मिथुन | मृगशिरा | 03:17:13 |
| गुरु | | सिंह | मघा | 01:48:31 |
| शुक्र | | मिथुन | आर्द्रा | 09:23:48 |
| शनि | | मेष | अश्विनी | 02:36:54 |
| राहु | व | मकर | श्रवण | 17:24:23 |
| केतु | व | कर्क | आश्लेषा | 17:24:23 |
| मुंथा | | कुम्भ | धनिष्ठा | 05:19:51 |

**मासाधिपति**

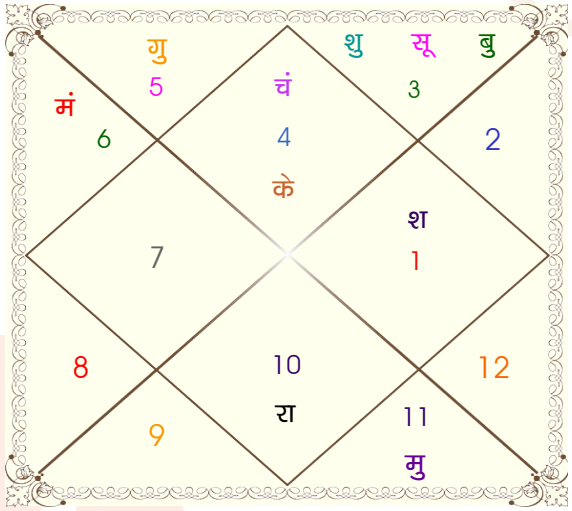


**मासाधिपति :** शनि

यह महीना आपके लिए अशुभ फल अधिक मात्रा में प्रदान करेगा तथा शुभ फल अल्प मात्रा में ही घटित होंगे। इस समय शत्रु पक्ष से आप चितित एवं भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे कई अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे।साथ ही इस मास में आपके घर में चोरी आदि भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में विघ्न बाधाएं आती रहेंगी। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा एवं देवता तथा ब्राहमणों के प्रति उपेक्षा का भाव रखेंगे। इसके अतिरिक्त आपका स्वास्थ्य खराब रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट प्राप्त कर सकते है। इस समय दूर समीप की कोई यात्रा भी कर सकते है। साथ ही सांसारिक कार्यो से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्ययाधिक्य की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा एवं अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे एवं समाज में यथोचित सम्मान भी प्राप्त होगा।

# दशम् मास

## 06/08/2027 16:52:27 से 06/09/2027 20:18:05 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | धनु | मूल | 12:48:45 |
| सूर्य | | कर्क | आश्लेषा | 19:33:11 |
| चन्द्र | | कन्या | हस्त | 15:29:02 |
| मंगल | | कन्या | हस्त | 18:54:52 |
| बुध | | कर्क | पुष्य | 14:01:28 |
| गुरु | | सिंह | मघा | 08:06:00 |
| शुक्र | | कर्क | आश्लेषा | 18:01:25 |
| शनि | | मेष | अश्विनी | 03:37:29 |
| राहु | व | मकर | श्रवण | 17:13:58 |
| केतु | व | कर्क | आश्लेषा | 17:13:58 |
| मुंथा | | कुम्भ | शतभिषा | 07:49:51 |

**मासाधिपति**

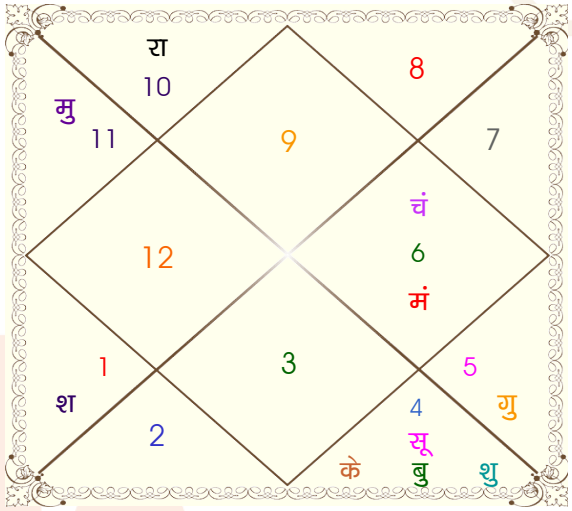


**मासाधिपति :** गुरु

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे ।साथ ही समाज में सभी लोग आपको हार्दिक सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी कार्य करने में तत्पर रहेंगे। शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उन्हें इच्छित सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने संकल्पों तथा मानसिक विचारों को मूर्त रूप देने में भी आप सफल सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी अर्जित करेंगे। जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फल दायक रहेगा।

# एकादश मास

## 06/09/2027 20:18:05 से 07/10/2027 12:37:41 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | मीन | रेवती | 21:05:52 |
| सूर्य | | सिंह | पू०फाल्गुनी | 19:33:11 |
| चन्द्र | | वृश्चिक | अनुराधा | 06:10:16 |
| मंगल | | तुला | स्वाति | 08:44:01 |
| बुध | | कन्या | हस्त | 10:29:48 |
| गुरु | | सिंह | पू०फाल्गुनी | 14:48:55 |
| शुक्र | | सिंह | पू०फाल्गुनी | 26:34:06 |
| शनि | व | मेष | अश्विनी | 02:58:33 |
| राहु | व | मकर | श्रवण | 16:46:28 |
| केतु | व | कर्क | आश्लेषा | 16:46:28 |
| मुंथा | | कुम्भ | शतभिषा | 10:19:51 |

**मासाधिपति** : बुध

**मासाधिपति**

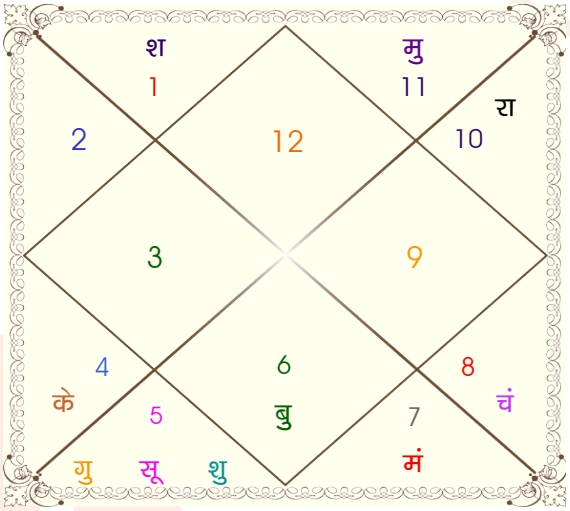


यह मास आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप अशुभ फलों की ही प्राप्ति करेंगे। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्टजनों की संगति आपको प्राप्त होगी जिससे आर्थिक दृष्टि से आप कमजोर होंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप कष्ट की अनुभूति करेंगे साथ ही मानसिक रूप से भी आप अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत ही परिश्रम के उपरांत भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राहमणों की आप उपेक्षा करेंगे। इस मास में आप के अन्य प्रकार से भी हानि के योग बनते रहेंगे। इस समय आपके मित्रों तथा बन्धुओं से विशेष संबध नहीं रहेंगे तथा उनसे आपको सहयोग भी अल्प ही मिलेगा।साथ ही आपके कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी। इस समय शत्रुपक्ष आपका बलवान रहेगा तथा उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी।

इसके साथ ही इस मास में आप शीत या वात से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवमानना होगी एवं बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको क्षति हो सकती है। अतः सावधानी तथा धैर्यपूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

# द्वादश मास

## 07/10/2027 12:37:41 से 06/11/2027 16:29:17 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | धनु | मूल | 10:13:07 |
| सूर्य | | कन्या | हस्त | 19:33:11 |
| चन्द्र | | धनु | पूर्वाषाढ़ा | 17:25:16 |
| मंगल | | तुला | विशाखा | 29:37:28 |
| बुध | | तुला | स्वाति | 10:40:25 |
| गुरु | | सिंह | पू०फाल्गुनी | 21:18:46 |
| शुक्र | | तुला | चित्रा | 04:40:19 |
| शनि | व | मेष | अश्विनी | 01:00:31 |
| राहु | व | मकर | श्रवण | 14:58:20 |
| केतु | व | कर्क | पुष्य | 14:58:20 |
| मुंथा | | कुम्भ | शतभिषा | 12:49:51 |

**मासाधिपति**

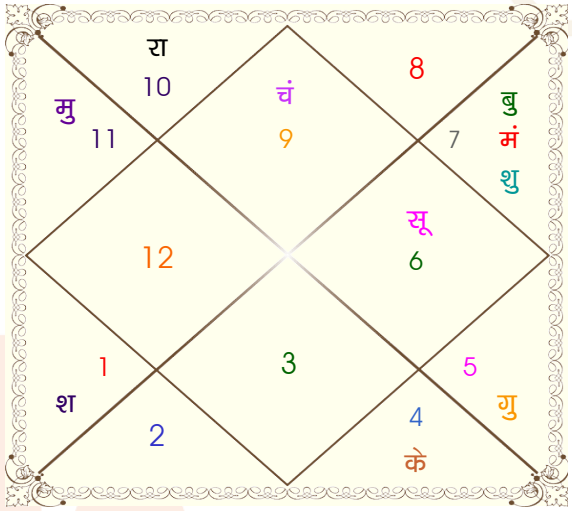


**मासाधिपति :** गुरु

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सभी सामाजिक तथा अन्य लोग आपकी श्रेष्ठता तथा प्रभुता को स्वीकार करेंगे एवं यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्रदान करेंगे।साथ ही आप धन एवं सुखोपभोग की सामग्री अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को करने के लिए भी हमेशा तत्पर रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप वांछित लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग मिलता रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी फलतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी इस समय सम्पन्न होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव रहेगा तथा अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे।